Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 21 October 2024

Dainik Jagran
Page - 06

पर्यावरण प्रहरी बना गोरखपुर विश्वविद्यालय

पेड़-पौधों की घटती संख्या है सीओ 2 बढ़ने की वजह

संविदा शिक्षक बनेंगे सह-शोध निर्देशक

शोध, नवाचार और शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने को गोवि ने लिया निर्णय

समर्थ पोर्टल से पूरी होगी पीएचडी प्रवेश की प्रक्रिया

नेट में अंग्रेजी व इतिहास के विद्यार्थियों का दबदबा

अन्वेषण प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण 31 तक

गोरखपुर : भारतीय विश्वविद्यालय संघ की वार्षिक प्रतियोगिता अन्वेषण-2024 में प्रतिभाग के लिए स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के विद्यार्थी 31 अक्टूबर तक अपना पंजीकरण करा सकते हैं। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में शोध अभिरुचि जगाना है, जिससे उच्च शिक्षा में शोध के वातावरण को बल मिल सके।

प्रतियोगिता में प्राकृतिक विज्ञान, अभियांत्रिकी एवं तकनीक, कृषि विज्ञान, स्वास्थ्य विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, मानविकी एवं व्यवसायिक व्यवस्था समेत अन्य विषयों पर शोध प्रोजेक्ट आमंत्रित किए गए हैं। प्रतियोगिता के विश्वविद्यालय समन्वयक एवं वेबसाइट प्रभारी डा. अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थी https://projectset.com/anveshan लिंक पर जाकर निश्शुल्क पंजीकरण करा सकते हैं। पहले उन्हें दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का विकल्प चुनना होगा। उसके बाद अपनी ईमेल आइडी के माध्यम से पंजीकरण सुनिश्चित करना होगा। विद्यार्थियों के पास एक टीम के रूप में प्रोजेक्ट जमा करने का विकल्प भी उपलब्ध है। इस प्रतियोगिता से जुड़ी विस्तृत सूचना एवं निर्देश विश्वविद्यालय के वेबसाइट के लिंक https://ddugu.ac.in/newweb/anveshan.php पर उपलब्ध है।

गोवि की वालीबाल और क्रास कंट्री टीम चयनित

पूर्वी क्षेत्र एवं अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय वालीवाल व क्रास कंट्री प्रतियोगिता में करेंगे प्रतिभाग

गोरखपुर : पूर्वी क्षेत्र एवं अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय वालीबाल और क्रास कंट्री प्रतियोगिता 2024-25 के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय की वालीबाल एवं क्रास कंट्री (पुरुष) टीमों का चयन विश्वविद्यालय क्रीड़ांगन में किया गया। क्रीड़ा परिषद के सचिव डा.राजवीर सिंह ने बताया कि अस्थायी रूप से चयनित वालीबाल टीम में सिद्धार्थ पासवान (गोवि), विनय कुमार विश्वकर्मा (दिग्विजय नाथ महाविद्यालय), दुर्गेश यादव (नेशनल पीजी कालेज), निर्भय कुमार (संत विनोबा पीजी कालेज, देवरिया), संदीप यादव (विद्यावती महाविद्यालय), अभिषेक (एसबीएनएस महाविद्यालय), शलोक गुप्ता (केआईपीएम), रुपेश पटवा, मुकेश यादव (हरिद्वार भट्ट स्मारक पीजी कालेज), आदित्य पासवान (वंशराज जयश्री महाविद्यालय), अनूप (जीवी महाजन डिग्री कालेज) और संतोष साहनी (चंद्रिका प्रसाद महाविद्यालय) शामिल हैं।

वहीं, क्रास-कंट्री टीम में रामाश्रय भारद्वाज (गोवि), अमित कुमार, पिंटू कुमार, प्रिंस (श्यामा मल्ल डिग्री कालेज), शिव कुमार निषाद (दिग्विजय नाथ पीजी कालेज), दिनेश कुमार (बहादुर यादव पीजी कालेज) का चयन हुआ। डा.राजवीर ने बताया कि सभी चयनित खिलाड़ी सोमवार को सुबह 11 बजे से विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद में आवश्यक रूप से उपस्थित हों।-विज्ञप्ति

Hindustan
Page - 06

कॉलेजों के संविदा शिक्षक भी बनेंगे सह शोध निर्देशक

डीडीयू

- शोध, नवाचार और शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए निर्णय
- नए शोध अध्यादेश के मानक पर दिशा-निर्देश जारी, अर्हता हुई निर्धारित

ये हैं मानक

डीडीयू की वॉलीबॉल और क्रॉस कंट्री टीम चयनित

विद्यार्थियों को बताईं लोककला की बारीकियां

पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया समर्थ पोर्टल से होगी

अंग्रेजी के 21 विद्यार्थी नेट में क्वालीफाई

उपलब्धि

डीडीयू के इन विद्यार्थियों को मिली सफलता

नेट में योगेन्द्र प्रताप सिंह, रितेश कुमार शर्मा, विकास गुप्ता, प्रज्ञा सिंह, अहमद राजा, अचला उपाध्याय व सुधांश राय क्वालीफाई हुए हैं। पीएचडी में विष्णु मिश्र, मुक्तेश नाथ द्विवेदी, दीपक कुमार गुप्ता, नितेश कुमार सिंह, अंजली यादव, स्नेहा दास, अक्षिता दत्ता, मानसी जैसवाल, श्वेता मिश्रा, दिव्या राय, कीर्ति सिंह, जागृति, पूजा कुमारी व राजेश कुमार क्वालीफाई हुए हैं।

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग ने शैक्षिक उत्कृष्टता का नया अध्याय लिखा है। विभाग के 21 छात्र-छात्राओं ने नेट परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विभाग और विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। पहली बार अंग्रेजी के विद्यार्थियों ने इतनी बड़ी संख्या में नेट-पीएचडी क्वालीफाई किया है।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। छात्रों की यह सफलता उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम और हमारे शैक्षिक वातावरण और अंग्रेजी विभाग की उत्कृष्टता का प्रमाण है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की शैक्षिक प्रतिष्ठा को और भी ऊंचा उठाएगी। साथ ही आगामी छात्रों को और बेहतर सफलता अर्जित करने के लिए प्रेरणा देगी।

अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ल ने कहा कि 21 विद्यार्थियों का नेट एवं पीएचडी में उत्तीर्ण होना न केवल उनके कठिन परिश्रम बल्कि कुलपति के सकारात्मक दृष्टिकोण और हम सभी के सामूहिक प्रयास का भी परिणाम है। विद्यार्थियों ने कहा कि शैक्षणिक माहौल व मार्गदर्शन से यह सफलता मिली है। इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं।

Amar Ujala
Page - 08

स्ववित्त पोषित कॉलेजों के संविदा शिक्षक करा सकेंगे शोध

अन्वेषण 2024 स्पर्धा के लिए 31 तक कर सकेंगे आवेदन

गोरखपुर। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के वार्षिक प्रतियोगिता अन्वेषण 2024 के लिए स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के विद्यार्थियों के पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर है। अन्वेषण 2024 के समन्वयक एवं वेबसाइट प्रभारी भौतिकी विभाग के डॉ. अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थी https:// projectset.com/anveshan लिंक पर जाकर निशुल्क पंजीकरण कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें डीडीयू का विकल्प चुनना होगा। उसके पश्चात वें अपनी ई-मेल आईडी के माध्यम से पंजीकरण कर सकेंगे। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यह प्रतियोगिता छात्र-छात्राओं में शोध अभिरुचि विकसित करने का एक माध्यम बनेगी। संवाद

अंग्रेजी विभाग के 21 छात्रों को नेट में मिली सफलता

गोरखपुर। डीडीयू के अंग्रेजी विभाग के 21 छात्रों ने नेट परीक्षा परिणाम में सफलता प्राप्त की है। यह पहली बार है कि विभाग से इतनी बड़ी संख्या में छात्रों ने एक साथ इस उपलब्धि को हासिल की है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारे विश्वविद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। छात्रों की यह सफलता उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है, और यह हमारे शैक्षिक वातावरण और अंग्रेजी विभाग की उत्कृष्टता का प्रमाण है। विभागाध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि 21 विद्यार्थियों का नेट एवं पीएचडी में उत्तीर्ण होना न केवल उनके कठिन परिश्रम का नतीजा है, बल्कि कुलपति के सकारात्मक दृष्टिकोण और सामूहिक प्रयास का भी परिणाम है। संवाद

Amar Ujala Select
Page - 05

स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रम व कॉलेजों के संविदा शिक्षक करा सकेंगे शोध

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में अब स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रम और अनुदानित कॉलेजों के स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम के संविदा शिक्षक भी शोध कराएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने उन्हें सह-शोध निर्देशक बनाने का न केवल निर्णय लिया है, बल्कि इसके लिए दिशा-निर्देश भी जारी कर दिया है। शोध, नवाचार और शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

इस निर्णय के पीछे विश्वविद्यालय एक अन्य उद्देश्य शोध के दायरे को बढ़ाना और संबद्ध संस्थानों के शिक्षकों व विद्यार्थियों में अनुसंधान की ललक जगाना है। शोध को लेकर यह निर्णय नए पीएचडी अध्यादेश के उस नियम के तहत लिया गया है, जिसमें यह व्यवस्था दी गई है कि विभागीय शोध समिति से अनुमोदन प्राप्त होने के बाद संविदा पर कार्य कर रहे शिक्षकों को सह-शोध निर्देशक बनाया जा सकता है।

विभागीय अनुसंधान समिति संविदा शिक्षकों को सह-शोध निर्देशक बनाने से पहले शोध अध्यादेश के मानक पर उनकी पात्रता का मूल्यांकन करेगी।

डीडीयू ने शोध, नवाचार और शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित को लिया निर्णय

पीएचडी प्रवेश की प्रक्रिया समर्थ पोर्टल से होगी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 के लिए पीएचडी में प्रवेश की प्रक्रिया समर्थ पोर्टल से सुनिश्चित की जाएगी। यह निर्णय कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में लिया गया। इसमें विश्वविद्यालय की सभी शैक्षिक, शोध तथा गैर-शैक्षणिक गतिविधियों को समर्थ पोर्टल के माध्यम से किए जाने के लिए गठित टीम के सदस्य शामिल हुए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय की ओर से संचालित होने वाली सभी एंड सेमेस्टर परीक्षाओं के प्रवेश पत्र भी समर्थ पोर्टल से ही जारी किए जाएंगे। कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत होने वाले विश्वविद्यालय

सह-शोध निर्देशक बनने की पात्रता का मानक

- स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में नियुक्त ऐसे शिक्षक, जिनका शोध में अच्छा अनुभव हो और जो गुणवत्ता प्रकाशनों और अनुसंधान परियोजनाओं में सक्रिय भागीदारी प्रदर्शित करते हों। विश्वविद्यालय में पंजीकृत पीएचडी शोधार्थियों के सह-शोध निर्देशक के रूप में कार्य करने के योग्य होंगे।
- शोध निर्देशन में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों की न्यूनतम पांच वर्षों की लगातार सेवा होनी चाहिए। इसके लिए संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य से एक अनापत्ति प्रमाण पत्र के साथ सेवा निरंतरता की पुष्टि पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।
- अनुदानित महाविद्यालयों में स्ववित्तपोषित कार्यक्रमों में कार्यरत ऐसे शिक्षक, जिन्होंने पांच वर्षों की सेवा पूरी कर ली है, सह-शोध निर्देशक के रूप में कार्य करने के योग्य होंगे।

"स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रमों के योग्य शिक्षकों को सह-शोध निर्देशक बनाने के पीछे हमारा उद्देश्य एक सहयोगात्मक अनुसंधान संस्कृति को प्रोत्साहित करना है। विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों में शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिया है। नए शोध अध्यादेश के अनुसार पात्रता का मानक भी निर्धारित कर दिया गया है।"

-प्रो. पूनम टंडन, डीडीयू

अन्वेषण 2024 स्पर्धा के लिए 31 तक कर सकेंगे आवेदन

गोरखपुर। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के वार्षिक प्रतियोगिता अन्वेषण 2024 के लिए स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के विद्यार्थियों के पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर है। अन्वेषण 2024 के समन्वयक एवं वेबसाइट प्रभारी भौतिकी विभाग के डॉ. अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थी https:// projectset.com/anveshan लिंक पर जाकर निशुल्क पंजीकरण कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें डीडीयू का विकल्प चुनना होगा। उसके पश्चात वें अपनी ई-मेल आईडी के माध्यम से पंजीकरण कर सकेंगे। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यह प्रतियोगिता छात्र-छात्राओं में शोध अभिरुचि विकसित करने का एक माध्यम बनेगी। संवाद

अन्वेषण स्पर्धा के लिए आवेदन 31 तक

गोरखपुर। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के वार्षिक प्रतियोगिता अन्वेषण 2024 के लिए स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के विद्यार्थियों के पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर है। अन्वेषण 2024 के समन्वयक एवं वेबसाइट प्रभारी भौतिकी विभाग के डॉ. अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थी https://projectset.com/anveshan लिंक पर जाकर इसमें निशुल्क पंजीकरण कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का विकल्प चुनना होगा। उसके पश्चात वें अपनी ई-मेल आईडी के माध्यम से पंजीकरण कर सकेंगे। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यह यह प्रतियोगिता छात्र-छात्राओं में शोध अभिरुचि विकसित करने का एक माध्यम बनेगी।

21 छात्रों को नेट में मिली सफलता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के 21 छात्रों ने नेट परीक्षा परिणाम में सफलता प्राप्त की है। यह पहली बार है कि विभाग से इतनी बड़ी संख्या में छात्रों ने एक साथ इस उपलब्धि को हासिल की है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारे विश्वविद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। छात्रों की यह सफलता उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है, और यह हमारे शैक्षिक वातावरण और अंग्रेजी विभाग की उत्कृष्टता का प्रमाण है। विभागाध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि 21 विद्यार्थियों का नेट एवं पीएचडी में उत्तीर्ण होना न केवल उनके कठिन परिश्रम का नतीजा है, बल्कि कुलपति के सकारात्मक दृष्टिकोण और सामूहिक प्रयास का भी परिणाम है।

Rashtriya Sahara
Page - 07, 10

शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करेगा विवि

गोरखपुर (एसएनबी)। दीदउ गोविवि ने शोध, नवाचार को बढ़ावा देने और शैक्षणिक मानकों को ऊंचा उठाने की दिशा में महत्वपूर्ण दिशा निर्देश जारी किए हैं।

इन दिशानिर्देशों के तहत स्ववित्तपोषित कार्यक्रमों में कार्यरत योग्य शिक्षकों और स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के शिक्षकों को विश्वविद्यालय में पंजीत पीएचडी शोधार्थियों के सह-शोध निर्देशक बनने की अनुमति दी जाएगी। इस पहल का उद्देश्य सभी संबद्ध संस्थानों में अनुसंधान क्षमताओं को मजबूत करना है। इस पहल की महत्ता पर जोर देते हुए, कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि स्ववित्तपोषित कार्यक्रमों के योग्य शिक्षकों को सह-शोध निर्देशक बनाने से हम एक सहयोगात्मक अनुसंधान संस्कृति को प्रोत्साहित करेंगे और विवि एवं उसके संबद्ध महाविद्यालयों में शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देंगे। यह पहल डीडीयूजीयू के सभी संबद्ध संस्थानों में अनुसंधान के अवसरों को बढ़ाने और शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

- स्ववित्तपोषित कार्यक्रमों में कार्यरत योग्य शिक्षकों और स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के शिक्षकों को सह-शोध निर्देशक बनने की अनुमति

पीएचडी प्रोग्राम में प्रवेश की सारी प्रक्रिया समर्थ पोर्टल के माध्यम से

गोरखपुर (एसएनबी)। दीदउ गोविवि में शैक्षिक सत्र 2024-25 के लिए पीएचडी प्रोग्राम में प्रवेश की सारी प्रक्रियाओं को समर्थ पोर्टल के माध्यम से सुनिश्चित किया जाएगा। यह निर्णय कुलपति प्रो पूनम टंडन की अध्यक्षता में विवि की सभी शैक्षिक, शोध तथा गैर-शैक्षणिक गतिविधियों को समर्थ पोर्टल के माध्यम से किए जाने के लिए गठित टीम की महत्वपूर्ण बैठक में लिया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि विवि द्वारा संचालित होने वाली सभी एंड सेमेस्टर परीक्षाओं के प्रवेश पत्र भी समर्थ पोर्टल के द्वारा ही जारी किए जाएंगे। बैठक में निर्णय लिया गया कि शासन के निर्देशानुसार करियर एडवांसमेंट स्कीम (कैश) के तहत होने वाले विवि तथा महाविद्यालय के सभी प्रमोशन की प्रक्रिया भी समर्थ पोर्टल के माध्यम से होगी। यह 1 अक्टूबर के बाद होने वाले प्रमोशन पर लागू होगा। कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने कहा कि विवि अपना फाइल मैनेजमेंट सिस्टम को भी जल्द ही समर्थ पोर्टल के माध्यम से संचालित करेगा। इसके साथ ही विवि की सभी संपत्तियों का डाटा भी जल्दी समर्थ पोर्टल पर उपलब्ध होगा।

अंग्रेजी विभाग के 21 छात्रों ने रचा इतिहास

गोरखपुर (एसएनबी)। दीदउ गोविवि के अंग्रेजी विभाग ने इस बार शैक्षिक उत्कृष्टता ... विषय है कि छात्रों ने इस प्रकार का ऐतिहासिक परिणाम दिया है। 21 विद्यार्थी का ...

Swatantra Chetna
Page - 05

जीवनदायिनी गंगा भारत की प्राण रेखा है: प्रो मिश्र

गंगा जैव विविधता एवं आद्रभूमि संरक्षण पर कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान में भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून, और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी), जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से गंगा नदी और इसकी सहायक नदियों के संरक्षण पर हितधारकों की दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ शुक्रवार को संवाद भवन में हुआ। कार्यशाला का शुभारम्भ कुलपति द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो पूनम टंडन उपस्थित रहीं। कुलपति प्रो. टण्डन ने गंगा नदी तथा आद्र भूमि संरक्षण के महत्व को प्रमुखता देते हुए कार्यशाला की सराहना की और इस कार्यशाला का उद्देश्य गंगा नदी और इसकी सहायक नदियों जैसे राप्ती और रोहिणी के संरक्षण के लिए विभिन्न हितधारकों की राय और आकांक्षाओं का निर्माण करना बताया कुलपति ने कृषि संस्थान मे पुरातन छात्र संगठन बनाने पर जोर दिया। कृषि संस्थान के निदेशक ने सभी आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए भारतीय संस्कृति में गंगा के महत्व पर प्रकाश डाला। निदेशक प्रो मिश्र ने गंगा को भारत की प्राण रेखा कहते हुए इसकी पवित्रता को बचाए रखकर प्रदूषण मुक्त करने का आह्वान किया। उन्होंने कृषि संस्थान के छात्रों की उपलब्धियों की विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथि के रूप मे विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो शान्तनु रस्तोगी ने गंगा के इकोसिस्टम को संरक्षित करने की भारतीय वन्यजीव संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए गंगा की सहायक नदियों के संरक्षण पर जोर दिया। विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो अनुभूति दूबे ने गंगा को जीवनदायिनी बताते हुए गंगा के किनारे के तटीय मैदान की उर्वरता पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र का संचालन डा सरोज चौहान ने किया तथा धन्यवाद प्रस्ताव भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून के डा सौफिल मलिक ने दिया। कार्यशाला के प्रथम सत्र का संचालन डा नुपुर सिंह और डा तल्हा अंसारी द्वारा किया गया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में डा दानिश कलीम, डा सौफिल मलिक तथा वन्यजीव संस्थान के अन्य विशेषज्ञों द्वारा जलीय प्रजातियां जैसे गंगा डॉल्फिन, कछुआ, ऊदबिलाव, घड़ियाल, मगरमच्छ तथा आद्र भूमि जैव विविधता जैसे जल पक्षी के बारे में जागरूकता फैलाने पर मुख्य ध्यान देते हुए प्रतिभागियों को जागरूक किया। कार्यशाला की रूपरेखा भारतीय वन्यजीव संस्थान के मोहम्मद दमास कलीम, प्रोजेक्ट एसोसिएट द्वारा दी गई।डॉ सौफिल मलिक, प्रोजेक्ट वैज्ञानिक ने जैव विविधता तथा एग्रोफोरेस्ट्री विषय पर प्रतिभागियों को विशेष जानकारी दी।संरक्षण कार्य में टीम निर्माण अभ्यास के बारे में जानकारी अंशुल कुमार भावसार प्रोजेक्ट एसोसिएट तथा राहुल गुप्ता सीनियर प्रोजेक्ट एसोसिएट द्वारा दी गई।कार्यशाला में 100 से ज्यादा प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यशाला के दूसरे दिन विभिन्न सत्रों मे गंगा मे प्लास्टिक प्रदूषण तथा गंगा के किनारे रहने वाले मछुआरों पर प्रकाश डाला जाएगा।

वन्यजीव संस्थान के राहुल गुप्त द्वारा हैंड्स आन टेनिंग भी दी जाएगी। वन्यजीव संस्थान से आए डा अंशुल भवसार गंगा के किनारे रहने वाले लोगों के सोशियो इकोलाजिकल रीसिलिएन्स पर प्रकाश डालेंगे। कार्यशाला के समापन समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री रामचेत चौधरी होंगे। समापन समारोह के पूर्व कृषि संस्थान के छात्र द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी डा नुपुर सिंह और डा निखिल रघुवंशी के निर्देशन मे किया जाएगा।